बीआरआईसी
बायोटेक्नोलॉजी विभाग का संगठन
BRIC
a DBT Organization

NATIONAL INSTITUTE OF PLANT GENOME RESEARCH
राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान
NIPGR

समाचार पत्रिका

अंक – 27, वर्ष – 2025 (अक्टूबर – दिसंबर)

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार परिषद,
जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

समाचार पत्रिका के इस अंक में -

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

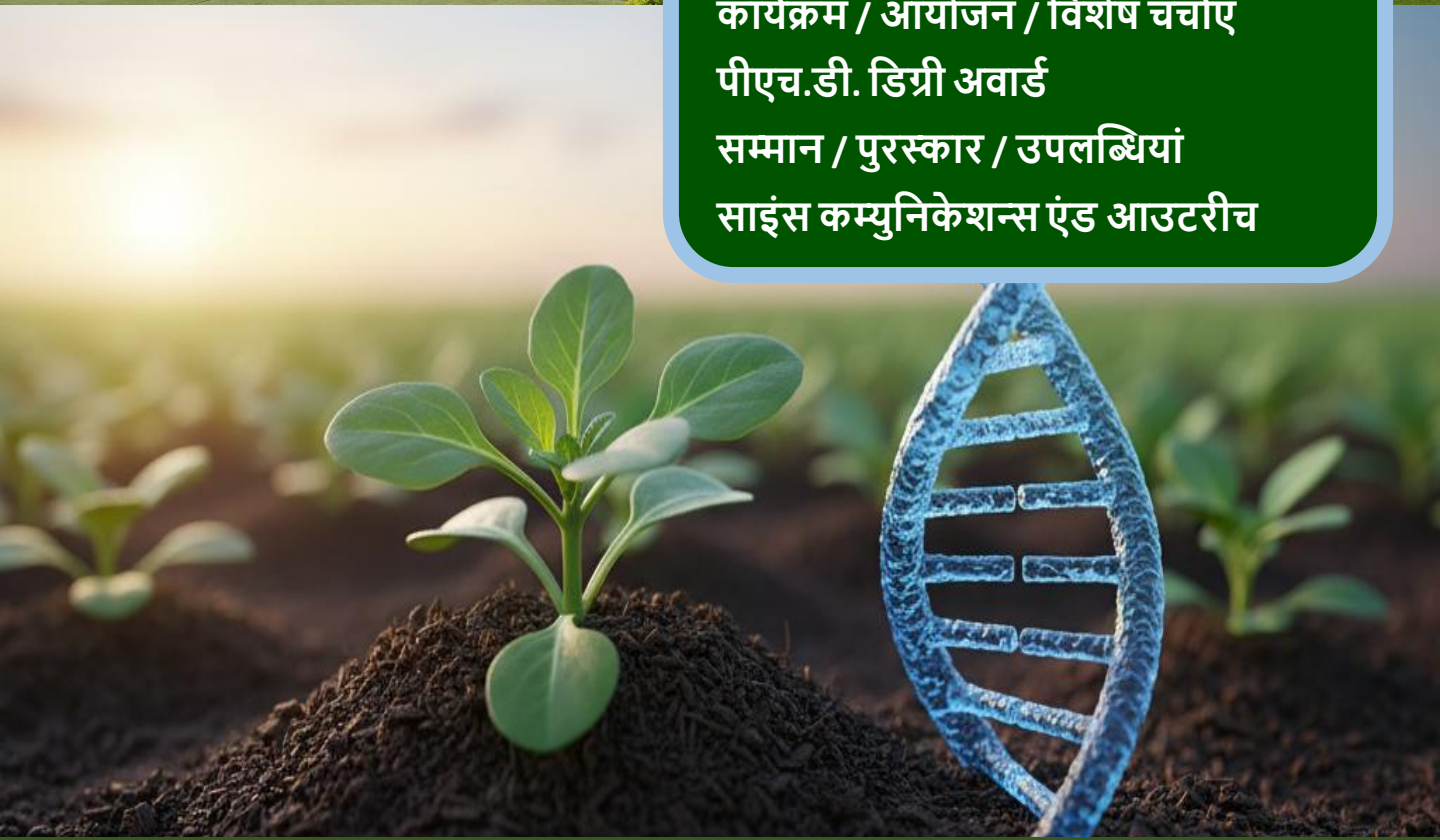

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विज्ञान संचार)
मैनेजिंग एडिटर, समाचार पत्रिका (हिंदी),
ई-मेल : outreach@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. : 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

बीआरआईसी
बायोटेक्नोलॉजी विभाग का संगठन
BRIC
a DBT Organization

NATIONAL INSTITUTE OF PLANT GENOME RESEARCH
NIPGR

समाचार पत्रिका

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

जीनोम एडिटिंग के माध्यम से सरसों सुधार हेतु कोर्टेवा – एनआईपीजीआर सहयोग पहल: कोर्टेवा टीम ने एनआईपीजीआर का दौरा कर जीनोम एडिटिंग व अन्य तकनीकों के जरिए फसलों की ब्रीडिंग में सहयोग पर चर्चा की। साथ ही, सरसों की गुणवत्ता सुधार हेतु संयुक्त कार्य शुरू करने के लिए नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (NDA) का आदान-प्रदान किया गया।

पुणे में NCS-TCP जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन: डीबीटी–नेशनल सर्टिफिकेशन सिस्टम फॉर टिश्यू कल्चर रेज़्ड प्लांट्स (NCS-TCP) ने एनआईपीजीआर, नई दिल्ली तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (IISER), पुणे के साथ मिलकर पुणे में एक जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक सह-आयोजन किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एनआईपीजीआर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन: संस्थान में 31 अक्टूबर, 2025 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिज्ञा' के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, जिसके बाद 'एकता के लिए दौड़' (Run for Unity) का आयोजन किया गया।

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष आयोजन: संस्थान ने 07 नवंबर 2025 को 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी उत्सव में सहभागिता की। इस अवसर पर वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

बीआरआईसी-एनआईपीजीआर और M/s N2Jenomics Lab Pvt. Ltd. के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित: एनआईपीजीआर और M/s एन2जेनोमिक्स लैब प्रा. लि. ने पीपीपी मोड में जीनोमिक्स और जीनोटाइपिंग समाधानों के लिए एक सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म, नेशनल जीनोमिक्स एंड जीनोटाइपिंग फैसिलिटी (एनजीजीएफ) संचालित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एनआईपीजीआर और M/s N2Jenomics Lab Pvt. Ltd. के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

एनआईपीजीआर का 28वां स्थापना दिवस समारोह: एनआईपीजीआर ने 28 नवंबर 2025 को अपना 28वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर डॉ. इमरान सिद्दीकी, एमेरिटस साइंटिस्ट, सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद, ने जे.सी. बोस मेमोरियल व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं उत्सवपूर्ण वातावरण के साथ हुआ।

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में, दिसंबर 05, 2025 को डॉ. ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, रा.पा.जी.अनु.सं. द्वारा 'हिंदी भाषा में सहायक टूल्स का उपयोग' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यशाला में भाग लिया ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक- दिसंबर 10, 2025 –

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 50वीं तिमाही बैठक का आयोजन दिनांक दिसंबर 10, 2025 को किया गया। निदेशक, एनआईपीजीआर की अध्यक्षता में संस्थान में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा की गई।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

हिंदी दिवस - पखवाड़ा 2025 प्रतियोगिता परिणाम

संस्थान में 24–26 सितंबर 2025 के दौरान हिंदी काव्य पाठ, निबंध, सुलेख एवं श्रुतलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

- काव्य पाठ में सुश्री सौम्या श्रीवास्तव प्रथम, जबकि श्री जगदीप सिंह एवं श्री मनीष शर्मा संयुक्त रूप से द्वितीय रहे।
- निबंध प्रतियोगिता में श्री अमन शर्मा प्रथम और श्री मोहित द्वितीय स्थान पर रहे।
- सुलेख प्रतियोगिता में श्री शोभाराम वाल्मीकि प्रथम, जबकि सुश्री राधिका राज एवं सुश्री उपासना दास संयुक्त रूप से द्वितीय रहीं।
- श्रुतलेख प्रतियोगिता में श्री अमन शर्मा प्रथम और सुश्री ज्योति मौर्य द्वितीय रहीं।
- सभी विजेताओं को संस्थान के स्थापना दिवस पर स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. पीएच.डी. छात्रा सुश्री अपूर्वा गुप्ता को “इलूसीदेटिंग द मल्टीफसेतेड रेगुलेशन बाय माइक्रोआरएनए169: टारगेट मोडयुल्स इन अरबिदोप्सिस एंड टोमेटो” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अक्टूबर 17, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. सलोनी माथुर (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

2. पीएच.डी. छात्रा सुश्री अंजलि को “रोल ऑफ़ स्वीट ट्रांसपोर्टरस इन प्लांट-पथोजेन इंटरेक्शन" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अक्टूबर 24, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. सेंथिल कुमार मुथप्पा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

3. पीएच.डी. छात्रा सुश्री कनिका मौर्या को “यूसिंग प्रिसायिस जीन-एडिटिंग फॉर ओप्तिमिज़िंग फॉस्फेट ट्रांसपोर्ट इन राइस” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अक्टूबर 28, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. जितेंद्र गिरि (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

4. पीएच.डी. छात्रा सुश्री रूमी को “अ स्टडी ऑन रोल ऑफ़ OsJAZs इन डेवलपमेंट एंड अबिओटिक स्ट्रेस रेस्पोंस इन राइस” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अक्टूबर 29, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

5. पीएच.डी. छात्र श्री हलिदेव कृष्ण बोट्टा को “एक्सप्लोरेशन ऑफ़ हीट एंड सय्तोकिनिन इं सिग्नलिंग इंटरेक्शन फॉर एन्हान्सिंग थर्मोमेमोरी इन प्लांट्स” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से नवंबर 14, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. ऐश्वर्या लक्ष्मी (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

6. पीएच.डी. छात्र श्री देबाशीष साहू को “अंडरस्टैंडिंग होस्ट जीन्स इम्पार्टिंग ससेप्टिबिलिटी टू शीथ ब्लाइट डिज़ीज़ इन राइस” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 17 नवंबर, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. गोपालजी झा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

7. पीएच.डी. छात्र श्री आशीष कुमार पाधी को “असेसमेंट ऑफ जेनेटिक डाइवर्सिटी एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ QTLs/जीन्स गवर्निंग यील्ड रिलेटेड ट्रेट्स इन लेंटिल (Lens culinaris Medik.)” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 03 दिसंबर, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. स्वरूप के. परिदा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

8. पीएच.डी. छात्रा सुश्री भानु मल्होत्रा को “मॉलिक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ *Sclerotinia sclerotiorum* पैथोजेनिसिटी फैक्टर्स इन *Brassica* स्पीशीज़” नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 29 दिसंबर, 2025 को सम्मानित किया गया। यह शोध कार्य डॉ. नवीन चंद्र बिष्ट (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक) को कृषि विज्ञान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए "विज्ञान युवा" राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। उनके शोध कार्य ने खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने, फसलों की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा उनकी शेल्फ-लाइफ बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लिंक

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक) को किसान ट्रस्ट द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी द्वारा प्रदान किया गया।

विशाख विजयन, पीएच.डी. छात्र को 27-28 अक्टूबर, 2025 को बिट्स पिलानी में आयोजित प्लांट-माइक्रोब इंटरैक्शन पर भारत-जर्मन बैठक में 'सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार' प्राप्त हुआ।

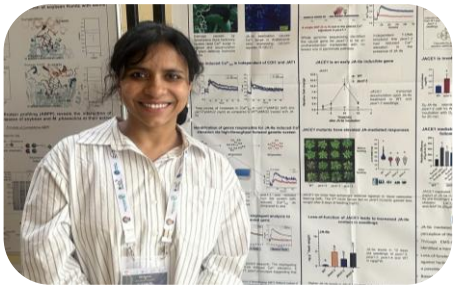

श्रुति मिश्रा, पोस्टडॉक्टरल फेलो को 27-28 अक्टूबर, 2025 को बिट्स पिलानी में आयोजित प्लांट-माइक्रोब इंटरैक्शन पर भारत-जर्मन बैठक में पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सुश्री बनिता यादव, पीएच.डी. छात्र ने 15-18 दिसंबर 2025 के दौरान कोयंबटूर में 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्लांट फिजियोलॉजी-2025 (आईसीपीपी2025) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

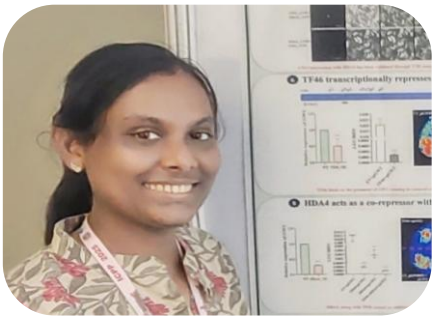

सुश्री अश्वथी पीवी ने टीएनएयू, कोयंबटूर में आयोजित 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्लांट फिजियोलॉजी 2025 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता (15-18 दिसंबर)। यह पुरस्कार "फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ़ यील्ड,क्वालिटी, एंड स्ट्रेस टॉलरेंस" नामक विषयगत क्षेत्र में दिया गया।

आमंत्रित व्याख्यान

- 24 नवंबर, 2025 को, डॉ. जोगी मधु प्रकाश, सहायक प्रोफेसर, पादप विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, भारत ने "ए पैथोजेन इफेक्टर रिविल्स द स्टेपवाइज असेंबली ऑफ़ प्लांट हेल्पर एनएलआर रेजिस्टोसोम" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 1 दिसंबर, 2025 को लार्स जेल्सबैक, प्रोफेसर, बायोटेक्नोलॉजी और बायोमेडिसिन विभाग, तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), डेनमार्क ने " फ्रॉम माइक्रोबियल फंक्शन टू फील्ड एप्लीकेशन: व्हाट ड्राइव्स बायोफर्टिलाइजर सक्सेस?" विषय पर व्याख्यान दिया।
- प्रो. प्रेम भल्ला, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, फूड एंड इकोसिस्टम साइंसेज, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने 10 दिसंबर, 2025 को बीआरआईसी-एनआईपीजीआर में व्याख्यान दिया।
- 11 दिसंबर, 2025 को, डॉ. सोनाली रॉय, सहायक प्रोफेसर, कृषि महाविद्यालय, टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए ने " पेप्टाइड्स इन नोड्यूलेशन एंड नाइट्रोजन एक्वीजीशन" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 19 दिसंबर, 2025 को, डॉ. पूनम मेहरा, एसोसिएट प्रोफेसर, नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यूके ने "मैकेनिज्म ऑफ़ रूट ब्रांचिंग अंडर हेटेरोजेनियस वाटर अवैलाबिलिटी" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 19 दिसंबर, 2025 को, डॉ. बिपिन पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यूके ने "अंडरस्टैंडिंग हाउ प्लांट रूट्स सेंस हार्ड सोइल्स" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 22 दिसंबर, 2025 को, डॉ. श्रीदेवी सुरेशकुमार, प्रमुख, आनुवंशिकी, कोर रिसर्च ग्रुप, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने "प्लांट्स टू हुमंस: अरेबिडोप्सिस फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 22 दिसंबर, 2025 को, प्रो. सुरेशकुमार बालासुब्रमण्यम, प्रमुख, फेनोटाइप्स टू जीन्स एंड मैकेनिज्म रिसर्च ग्रुप, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने "आरएनए स्प्लाइसिंग - लेसन फ्रॉम ए मिलियन जीडब्ल्यूएएस" विषय पर व्याख्यान दिया।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

ESTIC 2025 में बीआरआईसी-एनआईपीजीआर की सहभागिता: भारत के प्रमुख विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार मंच **Emerging Science, Technology, and Innovation Conclave (ESTIC)** में राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान ने सक्रिय सहभागिता की। ESTIC एक वार्षिक प्रमुख आयोजन है, जो विभिन्न मंत्रालयों, नवोन्मेषकों तथा वैश्विक विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाकर सहयोग, अत्याधुनिक नवाचारों के प्रदर्शन और वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ावा देता है।

ESTIC 2025 मे एनआईपीजीआर की सहभागिता

आईआईएसएफ 2025-कर्टन-रेज़र कार्यक्रम का आयोजन : एनआईपीजीआर ने आज 18 नवंबर, 2025 को संस्थान में आईआईएसएफ 2025 के लिए एक कर्टन-रेज़र कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विज्ञान भारती के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

IISF2025 में बीआरआईसी-एनआईपीजीआर की भागीदारी की झलकियाँ: एनआईपीजीआर टीम ने आकर्षक प्रदर्शनी, विज्ञान से जुड़ी इंटरैक्टिव गतिविधियाँ और अत्याधुनिक शोध की जानकारी पेश की।

डॉ. राजेश गोखले (सचिव, डीबीटी) एवं डॉ. देबाशीस चट्टोपाध्याय (निदेशक, बीआरआईसी-एनआईपीजीआर) सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा IISF 2025 में हमारे प्रदर्शनी बूथ के अवलोकन की एक झलक।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

शारदा यूनिवर्सिटी के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: एनआईपीजीआर ने 07 अक्टूबर, 2025 को शारदा यूनिवर्सिटी के बायोटेक छात्रों के लिए एक स्टडी टूर का आयोजन किया, जिसमें लेक्चर, लैब विज़िट और इंटरैक्टिव सेशन शामिल थे। डॉ. आशुतोष पांडे ने एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया । श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान और उसकी अनुसंधान सुविधाओं का एक संक्षिप्त परिचय दिया। आगंतुकों को अनुसंधान सुविधाओं का भ्रमण भी कराया गया।

मैत्रेयी कॉलेज के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 08 अक्टूबर, 2025 को, एनआईपीजीआर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज के बीएस.सी. छात्रों को सीखने और अन्वेषण से भरे एक अध्ययन दौरे के लिए आमंत्रित किया। डॉ. विनीत गौड़ ने एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जबकि श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान और अनुसंधान सुविधाओं का संक्षिप्त परिचय दिया। छात्रों ने प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की।

श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा:

13 अक्टूबर, 2025 को आयोजित इस भ्रमण में विज्ञान आउटरीच सत्र, व्याख्यान, संवादात्मक चर्चा एवं प्रयोगशाला भ्रमण शामिल थे। डॉ. सेंथिल-कुमार मुथप्पा ने प्रेरणादायक व्याख्यान दिया, जबकि रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों, सुविधाओं एवं करियर अवसरों की जानकारी दी। छात्रों ने प्रयोगशालाओं का दौरा कर पादप विज्ञान अनुसंधान से परिचय प्राप्त किया।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

ग्रीन फील्ड्स स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 15 अक्टूबर, 2025 को ग्रीन फील्ड्स स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव के छात्रों और शिक्षकों ने संस्थान का भ्रमण किया। डॉ. शैलेश कुमार और उनकी टीम द्वारा इंटरैक्टिव सत्र शामिल था। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने अनुसंधान सुविधाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों और विज्ञान के छात्रों के लिए करियर के अवसरों के बारे में जानकारी दी।

कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर, वेलायनी के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 24 अक्टूबर, 2025 को, कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर, वेलायनी के आगंतुकों ने संस्थान का दौरा किया—जहाँ उन्होंने जीवंत चर्चाओं में हिस्सा लिया, डॉ. हस्ती राम का पादप विज्ञान और चावल अनुसंधान पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान सुना, और श्री रत्नेश्वर ठाकुर से संस्थान, अनुसंधान सुविधाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों का एक अवलोकन प्राप्त किया।

गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 29 अक्टूबर, 2025 को आयोजित इस भ्रमण में व्याख्यान, संवादात्मक चर्चा तथा अनुसंधान सुविधाओं एवं परिसर का मार्गदर्शित दौरा शामिल था। डॉ. अमर पाल सिंह ने मॉलिक्यूलर एवं डेवलपमेंटल बायोलॉजी पर जानकारी साझा की, जबकि श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान, अत्याधुनिक सुविधाओं एवं विज्ञान में करियर अवसरों का परिचय दिया।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

पीएम श्री स्कूल जेएनवी मुंगेशपुर, दिल्ली के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 06 नवंबर 2025 को, पीएम श्री स्कूल जेएनवी मुंगेशपुर, दिल्ली के छात्रों ने स्टडी टूर के लिए हमारे संस्थान का दौरा किया! इस साइंस आउटरीच सत्र में डॉ. जितेंद्र गिरी द्वारा एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान, इंटरैक्टिव चर्चाएँ, संस्थान का एक अवलोकन और अनुसंधान सुविधाओं व कैंपस का गाइडेड टूर शामिल था।

देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 14 नवंबर 2025 को, वनस्पति विज्ञान विभाग, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने एनआईपीजीआर, नई दिल्ली का दौरा किया। डॉ. गोपालजी झा ने ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, साथ ही अपने चल रहे शोध पर चर्चा की । श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान के अनुसंधान क्षेत्रों, अत्याधुनिक सुविधाओं और जीवंत परिसर जीवन पर प्रकाश डाला, यह यात्रा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के दौरे के साथ समाप्त हुई, जिससे छात्रों को वैज्ञानिक वातावरण और चल रहे प्रयोगों पर करीब से नज़र डालने का मौका मिला।

सेंट एलॉयसियस कॉलेज, मंगलुरु के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सेंट एलॉयसियस कॉलेज, मंगलुरु के छात्रों और संकाय सदस्यों ने 26 नवंबर, 2025 को बीआरआईसी-एनआईपीजीआर का दौरा किया। विज्ञान आउटरीच में रत्नेश्वर ठाकुर द्वारा संस्थान के मिशन, अनुसंधान अवसंरचना और आगामी आईआईएसएफ 2025 की मुख्य बातों का परिचय शामिल था।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

मार थोमा कॉलेज, चुंगथारा (मलप्पुरम, केरल) के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा:

28 नवंबर, 2025 को, हमने वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, चुंगथारा (मलप्पुरम, केरल) के आगंतुकों के लिए एक अध्ययन दौरे की मेजबानी की। डॉ. आशीष रंजन ने एक आकर्षक व्याख्यान दिया और छात्रों को प्रेरित करने के लिए अपने शोध निष्कर्ष साझा किए। उन्होंने हमारी अनुसंधान सुविधाओं का भी दौरा किया।

गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर विमेन, केरल के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा:

4 दिसंबर, 2025 को केरल के मलप्पुरम स्थित गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर विमेन के वनस्पति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के लिए एक अध्ययन यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा के दौरान डॉ. सेनजुति सिंहारॉय द्वारा एक रोचक वैज्ञानिक व्याख्यान दिया गया, और साथ ही हमारी अनुसंधान सुविधाओं का एक इंटरैक्टिव दौरा भी कराया गया।